अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत फिल्म 'चार' को किया प्रदर्शित

सिने क्लासिक में दिखाई एनआईडी स्टूडेंट्स की फिल्में

रिपोर्टर • IamBhopal

Mobile no. 6266349352

भोपाल फिल्म क्लब द्वारा शनिवार को महिला चेतना मंच में सिने क्लासिक के अंतर्गत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) के स्टूडेंट्स की बनाई गईं फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई। इस दौरान एनआईडी के चार स्टूडेंट्स की फिल्मों को दिखाया गया। इनमें अग्नि माया द्वारा निर्मित फिल्म 'चार', सोहम भेंडे की फिल्म 'राजा की बारात', समीक्षा खेरड़े की 'कागज' और भाव्या के. की फिल्म 'कंगना' को प्रदर्शित किया गया। अग्नि माया की फिल्म 'चार' कई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में दिखाई और पुरस्कृत की जा चुकी है। फिल्मों की स्क्रीनिंग के बाद उन पर चर्चा की गई। इस मौके पर एनआईडी की निदेशक नीतिका देवगन, कम्युनिकेशन डिजाइन फैकल्टी प्रमोद मार्शल, मेंटर महीन मिर्जा के साथ ही अंकुर स्कूल, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यालय के स्टूडेंट्स और दर्शक उपस्थित रहे।

सिने क्लासिक में एनआईडी स्टूडेंट्स की 4 फिल्मों का किया गया प्रदर्शन

फिल्मों की स्क्रीनिंग के बाद हुई चर्चा में बड़ी संख्या में युवाओं ने भी लिया हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सिने क्लासिक में शनिवार की शाम भोपाल के विद्यार्थियों को एनआईडी स्टूडेंट्स की चार फिल्में दिखाई गईं। ये फिल्में हैं अग्नि माया द्वारा निर्मित चार, सोहम भेंडे की राजा की बारात, समीक्षा खेरडे की कागज और भाव्या के की कंगना।

अग्नि माया की फिल्म को कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में दिखाया गया है और पुरस्कृत किया गया है। जिसकी स्क्रीनिंग शनिवार की शाम को हुई। इस दौरान सभी निदेशक छात्र और एनआईडी की निदेशक नीतिका देवगन, कम्युनिकेशन डिजाइन फैकल्टी प्रमोद मार्शल और मेंटर महीन मिर्ज़ा मौजूद थे। फिल्मों के बाद उन पर चर्चा हुई, जिसमें बड़ी संख्या में युवा मौजूद थे।

पत्रिका

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन के विद्यार्थियों की चार फिल्में सिनेक्लासिक में हुईं प्रदर्शित

भोपाल. महिला चेतना मंच, शिवाजी नगर में शनिवार को सिने क्लासिक की ओर से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, भोपाल के विद्यार्थियों की चार फिल्में प्रदर्शित की गई। इसमें अग्नि माया द्वारा निर्मित चार, सोहम भेंडे की राजा की बारात, समीक्षा खेरडे की कागज और भाव्या की कंगना फिल्म को प्रदर्शित किया गया। बता दें कि अग्नि माया की फिल्म चार को कई फिल्म अवार्ड मिले हैं और इसे तुर्की, इटली जैसे देशों में आयोजित अंतरराष्ट्रीय समारोह में दिखाया गया और पुरस्कृत किया गया है। स्क्रीनिंग के दौरान सभी निर्देशक छात्र और एनआइडी की निदेशक नीतिका देवगन, कम्युनिकेशन डिजाइन फैकल्टी प्रमोद मार्शल और मेंटर महीन मिर्जा मौजूद रहे। प्रदर्शन के बाद

फिल्मों पर चर्चा भी हुई। चर्चा के दौरान स्टूडेंट्स ने कहा कि उन्हें फिल्म डायरेक्शन के दौरान कई चीजें सीखने को मिली। इसमें उन्होंने सीखा कि कैसे कम रिसोर्स और टीम वर्क के साथ हम एक बेहतरीन डॉक्यूमेंट्री बना सकते हैं। चार में दुनिया के दृष्टिबाधित लोगों के परिप्रेक्ष्य की अनुभवात्मक की झलक देखने को मिली। ''कागज'' जाति प्रमाण पत्र की मांग करने वाले समुदाय के संघर्ष दिखाती है।

05/05/2024 | Bhopal | Page : 21
Source : https://epaper.patrika.com/

City भास्कर
भोपाल • बुधवार, 10 अप्रैल 2024

पढ़ाई के साथ स्टूडेंट्स ने ब्लाइंड बच्चों, क्लाइमेट चेंज और किसानों के पलायन पर बनाईं फिल्में

रूस, लखनऊ, जयपुर और कोलकाता में हुए इंटरनेशनल फेस्ट का हिस्सा बनीं एनआईडी स्टूडेंट्स की फिल्में, सीरीज

सिटी रिपोर्टर| नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) भोपाल के स्टूडेंट्स ने पढ़ाई के दौरान ही ऐसी शॉर्ट फिल्म्स, डॉक्यूमेंट्री और टीवी सीरीज पर काम किया, जो अभी से भोपाल का नाम इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर रोशन कर रही हैं। इनके द्वारा बनाई गईं फिल्में, डॉक्यूमेंट्री और सीरीज हाल ही में रशिया, लखनऊ, जयपुर और कोलकाता में हुए इंटरनेशनल फेस्टिवल का हिस्सा बनी हैं। किसी ने ब्लाइंड बच्चों पर तो किसी ने क्लाइमेट चेंज पर यह फिल्में तैयारी की हैं। ऐसी ही कुछ फिल्मों के बारे में सिटी भास्कर ने जाना कम्यूनिकेशन डिजाइन के स्टूडेंट्स से।

ब्लाइंड स्टूडेंट्स के सपने

● कम्युनिकेशन डिजाइनिंग कोर्स में फाइनल ईयर की स्टूडेंट अग्नि माया दिल्ली की रहने वाली हैं। अग्नि ने अपने डॉक्यूमेंट्री प्रोजेक्ट के तौर पर 10 दिन की एक फिल्म 'चार' तैयार की है। साउंड के जरिए पूरी दुनिया को एक्सप्लोर करने वाले ब्लाइंड बच्चों के सपनों पर आधारित यह फिल्म अहसास दिलाती है कि इन बच्चों की दुनिया उतनी भी उदास नहीं है, जितना हम समझते हैं। वे अपने ढंग से दुनिया को एक्सप्लोर करते हैं। यह फिल्म लखनऊ में आयोजित सीएमएस इंटरनेशनल चिल्ड्रंस फिल्म फेस्ट 2024 में बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म के तौर पर सिलेक्ट हुई। फिल्म में भोपाल की युवा फिल्ममेकर माहीम मिर्जा का गाइडेंस भी है।

फिक्शन टीवी स्क्रिप्ट है 'पंढारी'

● कम्युनिकेशन डिजाइन के फर्स्ट बैच के तेजस्वत कदम मूलतः बेंगलुरू से हैं। उनकी फिक्शनल एनिमेशन फिल्म 'पंढारी' वर्ल्ड इंडी फिल्म अवॉर्ड्स फेस्ट 2024 में बेस्ट वर्ल्ड टीवी पायलेट/वेबसीरीज सेगमेंट की विनर रही। अभी उन्होंने पहला एपिसोड तैयार किया है। अब वे स्पॉन्सर्स तलाश रहे हैं, ताकि 10 एपिसोड वाली 3 सीजन की यह सीरीज लोगों तक पहुंच सके। उनकी सीरीज 700 साल पहले उस वक्त की कहानी पर आधारित है, जब भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार का केंद्र था और नालंदा विवि हमारी संस्कृति का प्रतीक माना जाता था। ऑनलाइन फिल्म फेस्ट में भारत समेत देशों की फिल्में शामिल हुई थीं।

केरल की कहानी 'अलविदा'

● मूलतः केरल की डिलू मलिचकल ने शॉर्ट फिल्म 'अलविदा' बनाई है। भोपाल और केरल में शूट हुई फिल्म उन लोगों की कहानी है, जो भोपाल और बिहार से माइग्रेट होकर केरल जाते हैं, लेकिन वहां जाकर मिसिंग हो जाते हैं। इस फिक्शनल फिल्म को जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, कोलकाता इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, को-फॉस्कारी शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल में अवॉर्ड दिया गया है। फिल्म की प्रोड्यूसर निबिन शा हैं, इसमें एचओडी प्रमोद कुमार मार्शल का गाइडेंस भी है।

रूस में हुई 'विवर्त' की स्क्रीनिंग

● स्टूडेंट गायत्री ने क्लाइमेट चेंज का विषय दुनिया के सामने रखने के लिए फीचर फिल्म 'विवर्त' तैयार की है, जो हाल ही में रूस में हुए फेस्ट फिल्म बाहारी-6 का हिस्सा बनी। आर्टिस्टिक एक्सीलेंस के लिए इस पोएटिक फिल्म को चुना गया। इसमें पानी की तलाश में एक किसान का माइग्रेशन दिखाया गया है। कहानी एक ऐसे किसान की है, जो खेती के लिए दूसरे शहर में पानी ज्यादा मिलेगा, इस उम्मीद में गांव छोड़ देता है, पर जब नई जगह पहुंचता है तो वहां भी बारिश और पानी की वही किल्लत झेलता है।

दैनिक भास्कर
भोपाल सिटी भास्कर
04-05-2024

स्टूडेंट्स की 4 फिल्मों की स्क्रीनिंग आज

सिटी रिपोर्टर| भोपाल फिल्म क्लब की ओर से आयोजित 'सिने क्लासिक' के तहत शनिवार को नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी), भोपाल के स्टूडेंट्स की बनाई 4 फिल्में दिखाई जाएंगी। ये फिल्में हैं- अग्नि माया की बनाई दिव्यांगों पर आधारित फिल्म 'चार', सोहम भेंडे की 'राजा की बारात', समीक्षा खेरडे की 'कागज' और भाव्या की फिल्म 'कंगना'। सभी फिल्मों की अवधि 10 से 15 मिनट है। अग्नि माया की फिल्म को कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में दिखाया गया है और पुरस्कृत किया गया है। स्क्रीनिंग के दौरान सभी निदेशक स्टूडेंट्स और एनआईडी की कम्युनिकेशन डिजाइन फैकल्टी भी मौजूद रहेंगी। फिल्मों का फ्री प्रदर्शन शिवाजी नगर स्थित महिला चेतना मंच के सभाकक्ष में किया जाएगा। शाम 6 बजे से स्क्रीनिंग होगी। इस दौरान फैकल्टी और फिल्मकार स्टूडेंट्स से चर्चा भी होगी।